Central Board of Secondary Education

Question Paper 2016

[Official]

By

AglaSem

www.schools.aglasem.com

AglaSem Schools

SET – 1

Series : ONS/2

कोड नं.
Code No. **29/2/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

http://schools.aglasem.com/

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घंटे* — *अधिकतम अंक : **100***

*Time allowed : **3** hours* — *Maximum marks : **100***

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **15**

इसे तो सभी स्वीकार करेंगे कि अनेक प्रकार की शक्तियाँ जो वरदान की भाँति ईश्वर ने मनुष्य को दी हैं उनमें वाक् शक्ति भी एक है । यदि मनुष्य की और-और इंद्रियाँ अपनी-अपनी शक्तियों से अविकल रहतीं और वाक् शक्ति उसमें न होती तो हम नहीं जानते, इस गूँगी सृष्टि का क्या होता ! सब लोग लुंज-पुंज से हो मानो एक कोने में बिठा दिए गए होते और जो कुछ सुख-दुख का अनुभव हम अपनी दूसरी-दूसरी इंद्रियों के द्वारा करते उसे अवाक् होने के कारण आपस में एक-दूसरे से कह-सुन न सकते । जहाँ आदमी को अपनी ज़िंदगी मज़ेदार बनाने के लिए खाने-पीने, चलने-फिरने आदि की ज़रूरत है वहाँ बातचीत की भी हम को अत्यन्त आवश्यकता है । जो

AglaSem Schools

कुछ मवाद या धुआँ भीतर जमा रहता है, वह सब बातचीत के जरिए भाप बनकर बाहर निकल पड़ता है, चित्त हलका और स्वच्छ हो परम आनंद में मग्न हो जाता है । बातचीत का भी एक खास तरह का मज़ा होता है । जिनको बात करने की लत पड़ जाती है वे इसके पीछे खाना-पीना तक छोड़ देते हैं पर बातचीत का मज़ा नहीं खोना चाहते । अपना आभ्यंतरिक भाव दूसरे पर प्रकट करना और उसका आशय ग्रहण कर लेना केवल शब्दों ही के द्वारा हो सकता है । असल बातचीत सिर्फ दो में हो सकती है । इसका तात्पर्य यह हुआ कि जब दो आदमी होते हैं तभी अपना दिल दूसरे के सामने खोलते हैं । जब तीन हुए तब वह दो की बात कोसों दूर गई । किसी तीसरे आदमी के आते ही या तो दोनों अपनी बातचीत से निरस्त हो बैठेंगे या फिर उसे निपट मूर्ख या अज्ञानी समझ बनाने लगेंगे । जैसे गरम दूध और ठंडे पानी के दो बर्तन पास-पास सटाकर रखे जाएँ तो एक का असर दूसरे में पहुँचता है अर्थात् दूध ठंडा हो जाता है और पानी गरम, वैसे ही जब दो आदमी पास-पास बैठेंगे तो एक का गुप्त असर दूसरे में पहुँच जाता है, चाहे एक-दूसरे को देखें भी नहीं ।

(क) गूँगी सृष्टि से क्या आशय है ? ऐसा होता तो हमारी दशा कैसी होती ? **2**

(ख) टिप्पणी कीजिए – वाक् शक्ति ईश्वर का दिया हुआ वरदान है । **2**

(ग) बातचीत से मन कैसा हो जाता है ? क्यों ? **2**

(घ) बातचीत के संदर्भ में 'मवाद और धुआँ' का क्या आशय है ? उस पर बातचीत का क्या प्रभाव पड़ता है ? **2**

(ङ) 'असल बातचीत केवल दो में हो सकती है' – ऐसा क्यों ? **2**

(च) दूध और पानी के उदाहरण से लेखक क्या सिद्ध करना चाहता है ? **2**

(छ) 'आभ्यंतरिक' शब्द कैसे बना है ? आभ्यंतरिक भावों की अभिव्यक्ति कैसे होती है ? **2**

(ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक सुझाइए । **1**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **$1 \times 5 = 5$**

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ,
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा
अरुण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ ।

http://schools.aglasem.com/

AglaSem Schools

कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से मुड़ सिहरते ही रहे तुम,
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ ।

तोड़ दो मन में कसी सब शृंखलाएँ,
छोड़ दो मन में बसी संकीर्णताएँ ।
बिंदु बनकर मैं तुम्हें ढलने न दूँगा,
सिंधु बन तुमको उठाने आ रहा हूँ ।

दासता इंसान की करनी नहीं है,
दासता भगवान की करनी नहीं है ।
वंदना में मैं तुम्हें झुकने न दूँगा,
वंदनीय तुम्हें बनाने आ रहा हूँ ।

(क) 'अस्ताचल' और 'उदयाचल' से क्या तात्पर्य है ?

(ख) कल्पनालोक में कौन उड़ रहा है ? उसे धरती पर बसाने से क्या आशय है ?

(ग) मन के बंधनों को तोड़ने पर हमारा विस्तार किसके समान हो सकता है ?

(घ) आशय समझाइए – 'वंदना में मैं तुम्हें झुकने न दूँगा
वंदनीय तुम्हें बनाने आ रहा हूँ ।'

(ङ) कविता का संदेश तीन-चार वाक्यों में स्पष्ट कीजिए ।

http://schools.aglasem.com/

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

(क) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

(ख) बेरोज़गारी की समस्या

(ग) चरित्र सबसे बड़ी पूँजी

(घ) भारतीय संस्कृति

AglaSem Schools

4. दिनोदिन बढ़ रही महँगाई की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए और समस्या समाधान के दो उपाय भी सुझाइए । **5**

अथवा

'आँगनवाड़ी' योजना के अन्तर्गत कुछ अध्यापिकाओं की आवश्यकता है । अपनी योग्यता, रुचि और अनुभव आदि का उल्लेख करते हुए अपने क्षेत्र के विकास अधिकारी को आवेदन-पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **1 × 5 = 5**

(क) किसी घटना के समाचार बनने की संभावना कब बढ़ जाती है ?

(ख) खोजपरक पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(ग) 'ब्रेकिंग न्यूज़' क्या है ?

(घ) इंटरनेट से क्या तात्पर्य है ?

(ङ) मुद्रित संचार माध्यम की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

6. 'पहली बरसात और सड़कों की दुर्दशा' विषय पर एक फ़ीचर के लिए आलेख लिखिए । **5**

अथवा

'मेरे गाँव की पंचायत' पर एक आलेख लिखिए ।

http://schools.aglasem.com/

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

भर गया है ज़हर से
संसार जैसे हार खाकर,
देखते हैं लोग लोगों को,
सही परिचय न पाकर,
बुझ गई है लौ पृथा की
जल उठो फिर सींचने को

AglaSem Schools

अथवा

तरिवर झरै झरै बन ढाँखा । भइ अनपत्त फूल फर साखा ।।

करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू । मो कहँ भा जग दून उदासू ।।

फाग करहिं सब चाँचरि जोरी । मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी ।।

जौ पै पियहि जरत असभावा । जरत मरत मोहि रोस न आवा ।।

रातिहु देवस इहै मन मोरें । लागौं कंत छार जेऊँ तोरें ।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'यह दीप अकेला, स्नेह भरा

है गर्व भरा मदमाता, पर इस को भी पंक्ति को दे दो'

उक्त काव्य पंक्ति में कवि ने 'स्नेह भरा, गर्व भरा व मदमाता' क्यों कहा है ? 'पंक्ति को देने' से कवि का क्या आशय है ?

(ख) 'वसंत आया' कविता में कवि ने मनुष्य की आधुनिक जीवन-शैली पर व्यंग्य किया है – इस कथन की पुष्टि सोदाहरण कीजिए ।

(ग) 'राघौ एक बार फिरि आवौ' पद में निहित करुणा और संदेश को स्पष्ट करते हुए कौशल्या की मनोदशा पर टिप्पणी कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) कुसुमित कानन हेरि कमल मुखि,

मूँदि रहए दु नयान ।

कोकिल कलरव, मधुकर-धुनि सुनि,

कर देइ झाँपइ कान ।।

(ख) लघु सुरधनु-से पंख पसारे – शीतल मलय समीर सहारे ।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए – समझ नीड़ निज प्यारा ।

बरसाती आँखों के बादल – बनते जहाँ भरे करुणा जल ।

लहरें टकराती अनंत की – पाकर जहाँ किनारा ।

http://schools.aglasem.com/

(ग) किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेखबर ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

रूप की तो बात ही क्या है ! बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जल स्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है । और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है । कितनी कठिन जीवनी शक्ति है ! प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है ।

अथवा

भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम्स और संग्रहालयों में जमा नहीं थी – वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती, उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें – उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे । अतीत का समूचा मिथक-संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था । यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच पारम्परिक संबंध बनाए रखने का है – भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता है ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'शेर' लघुकथा प्रतीकात्मक और व्यंग्यात्मक लघुकथा है – उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए ।

(ख) संवदिया का कार्य संवाद पहुँचाना होता है । हरगोबिन बड़ी बहुरिया का संवाद सुनाए बिना उसके मायके से लौट आया ? क्यों ?

(ग) 'मनोकामना की गाँठ भी अद्भुत, अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है ।' – कथन का प्रसंग समझाते हुए पारो की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

http://schools.aglasem.com/

AglaSem Schools

12. फणीश्वरनाथ 'रेणु' **अथवा** ब्रजमोहन व्यास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **6**

अथवा

विष्णु खरे **अथवा** केशवदास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. "सूरदास के चरित्र की विशेषता यह है कि झोपड़ी के जल जाने पर भी वह किसी से प्रतिशोध लेने में नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण में विश्वास करता है ।" जीवन मूल्यों की दृष्टि से कथन की समीक्षा कीजिए । **5**

अथवा

'आरोहण' कहानी में भूपदादा के चरित्र से किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिलती है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

14. (क) बिसनाथ 'दूध कटहा' कैसे हो गए ? इससे उनके पालन-पोषण में क्या अंतर आया ? प्रकृति में क्या देखते रहते हैं ? **5**

(ख) हमारे देश की पवित्र नदियाँ गंदे नालों में क्यों बदलती जा रही हैं ? जल प्रदूषण से मानव जाति को बचाने के लिए आप क्या कदम उठाएँगे ? **5**

http://schools.aglasem.com/